बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् दिनांक -23- 01 -2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अवतरण चिह्न के बारे में अध्ययन करेंगे।

अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ("... ")

अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ("... ") की परिभाषा

किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए अवतरण चिह्न ("... ") का प्रयोग होता है।

जैसे- राम ने कहा, "सत्य बोलना सबसे बड़ा धर्म है।"

उद्धरणचिह्न के दो रूप है- इकहरा (' ') और दुहरा (" ")।

इसके कुछ मुख्य नियम

जहाँ किसी पुस्तक से कोई वाक्य या अवतरण ज्यों-का-त्यों उद्धृत किया जाए, वहाँ दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है और जहाँ कोई विशेष शब्द, पद, वाक्य-खण्ड इत्यादि उद्धृत किये जायें वहाँ इकहरे उद्धरण लगते हैं।

जैसे-

- "जीवन विश्व की सम्पत्ति है। "
- "कामायनी' की कथा संक्षेप में लिखिए।

पुस्तक, समाचारपत्र, लेखक का उपनाम, लेख का शीर्षक इत्यादि उद्धृतकरते समय इकहरे उद्धरणचिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे-

- 'निराला' पागल नहीं थे।
- 'जुही की कली' का सारांश अपनी भाषा में लिखो।
- 'प्रदीप' एक हिन्दी दैनिक पत्र है।

महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, सन्धि आदि को उद्धत करने में दुहरे उद्धरणचिह्न का प्रयोग होता है।